

डायट बड़कोट में जेंडर संवेदनशीलता प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न

उत्तरकाशी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बड़कोट, उत्तरकाशी में मंगलवार एवं बुधवार को विद्यालयों में जेंडर इक्विटी क्लब के गठन एवं संचालन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर लैंगिक समानता, समावेशिता एवं संवेदनशीलता को बढ़ावा देना तथा शिक्षकों को जेंडर इक्विटी क्लब की अवधारणा, गठन एवं प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक जानकारी एवं कौशल प्रदान करना रहा।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य संजीव जोशी ने विद्यालयों में समानता एवं समावेशी वातावरण विकसित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों में समानता, सम्मान एवं संवेदनशीलता के मूल्यों को विकसित करने का महत्वपूर्ण केंद्र है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन एवं संचालन गोपाल सिंह राणा एवं बन्नीता सज्जवान द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में जनपद उत्तरकाशी के सभी विकासखंडों के 26 शिक्षकों/बी.आर.पी. ने प्रतिभाग किया।

दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान कुल 11



सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में लिंग एवं जेंडर की अवधारणा, जेंडर रुढ़िवादिता, जेंडर मानदंड एवं जेंडर भूमिकाएँ, समाजीकरण, पितृसत्तात्मकता, जेंडर बायस (लैंगिक पक्षपात), जेंडर लेंसिंग आदि विषयों

पर प्रतिभागियों का अभिमुखीकरण किया गया। साथ ही विद्यालयी परिवेश में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, लैंगिक भेदभाव को पहचानने तथा उसे दूर करने के व्यावहारिक उपायों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

प्रशिक्षण में जेंडर इक्विटी क्लब की अवधारणा, आवश्यकता, गठन, क्लब की गतिविधियों एवं विद्यालय स्तर पर इसके प्रभावी संचालन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति

(इभके) 2020 के साथ जेंडर इक्विटी क्लब की प्रासंगिकता एवं इसके उद्देश्यों के संबंध पर भी चर्चा की गई।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने समूह गतिविधियों, चर्चा, प्रस्तुतीकरण एवं विभिन्न अभ्यासों के माध्यम से जेंडर संबंधी अवधारणाओं को समझा तथा विद्यालय स्तर पर जेंडर इक्विटी क्लब के माध्यम से किए जा सकने वाले नवाचारी प्रयासों की रूपरेखा तैयार की। कार्यक्रम के अंत में प्रत्येक प्रतिभागि विद्यालय को एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड द्वारा विकसित जेंडर शिक्षक मार्गदर्शिका—समतापथ उपलब्ध कराई गई, ताकि शिक्षक इस सामग्री का उपयोग विद्यालयों में जेंडर संवेदनशीलता एवं लैंगिक समानता से संबंधित गतिविधियों के प्रभावी संचालन में कर सकें।

यह प्रशिक्षण विद्यालयों में ऐसा वातावरण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा, जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर, सम्मान, सुरक्षा एवं अपनी क्षमताओं के विकास का समान अधिकार प्राप्त हो। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य हेमू बिष्ट, अरविंद चौहान, रिचा उनियाल मौजूद रहे।

डायट बड़कोट में जेंडर संवेदनशीलता प्रशिक्षण सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तकाशी । जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बड़कोट, उत्तरकाशी में मंगलवार एवं बुधवार को विद्यालयों में जेंडर इक्विटी क्लब के गठन एवं संचालन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर लैंगिक समानता, समावेशिता एवं संवेदनशीलता को बढ़ावा देना तथा शिक्षकों को जेंडर इक्विटी क्लब की अवधारणा, गठन एवं प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक जानकारी एवं कौशल प्रदान करना रहा।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य संजीव जोशी ने विद्यालयों में समानता एवं समावेशी वातावरण विकसित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों में समानता, सम्मान एवं संवेदनशीलता के मूल्यों को विकसित करने का महत्वपूर्ण केंद्र है।



प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन एवं संचालन गोपाल सिंह राणा एवं ववीता सजवाण द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में जनपद उत्तरकाशी के सभी विकासखंडों के 26 शिक्षकों/बी.आर.पी. ने प्रतिभाग किया।

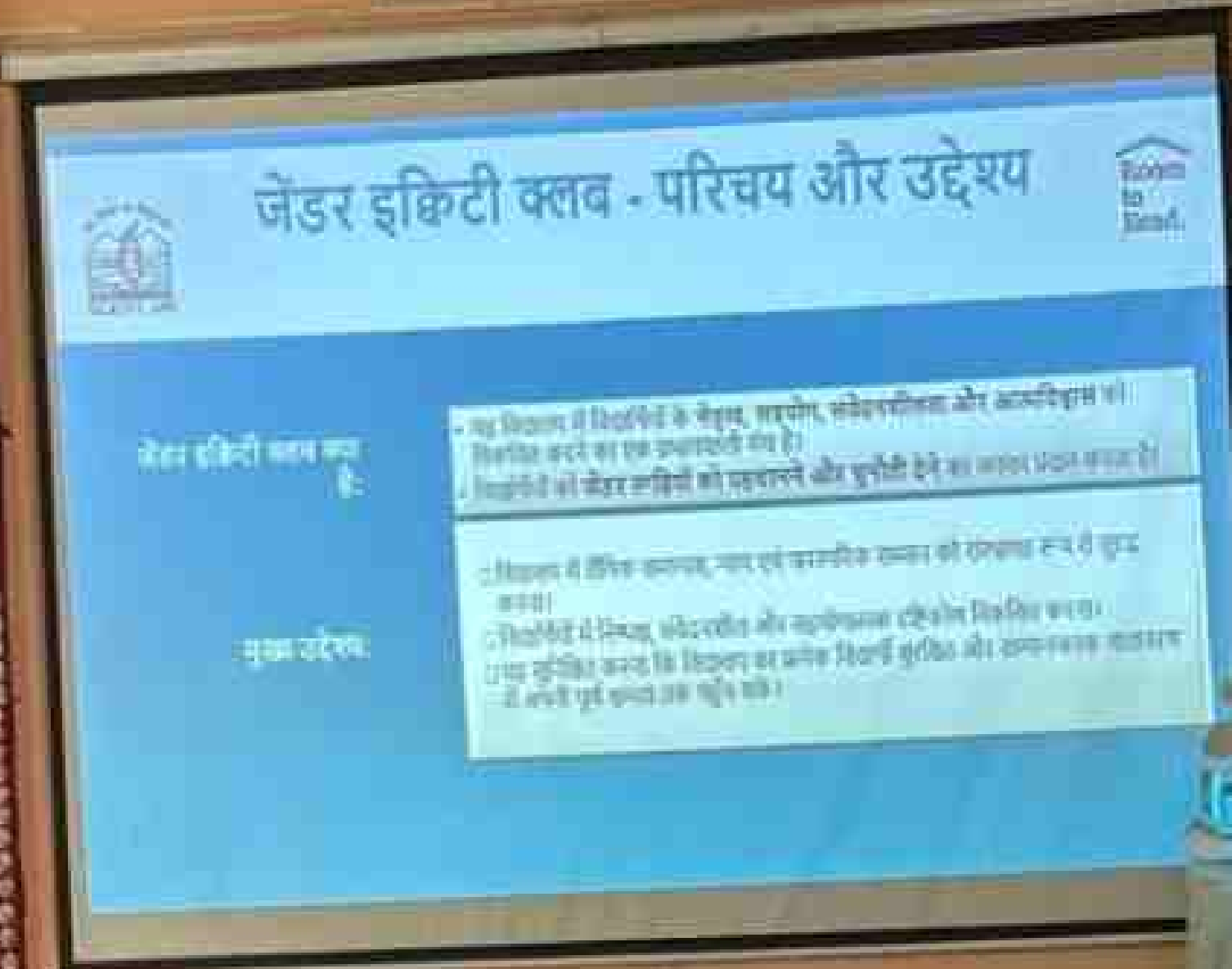
दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान कुल 11 सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में लिंग एवं जेंडर की अवधारणा, जेंडर रूढ़िवादिता, जेंडर मानदंड एवं जेंडर भूमिकाएँ, समाजीकरण, पितृसत्तात्मकता, जेंडर बायस (लैंगिक पक्षपात), जेंडर लेंसिंग आदि विषयों पर प्रतिभागियों का अभिमुखीकरण किया गया। साथ ही विद्यालयी

परिवेश में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, लैंगिक भेदभाव को पहचानने तथा उसे दूर करने के व्यावहारिक उपायों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

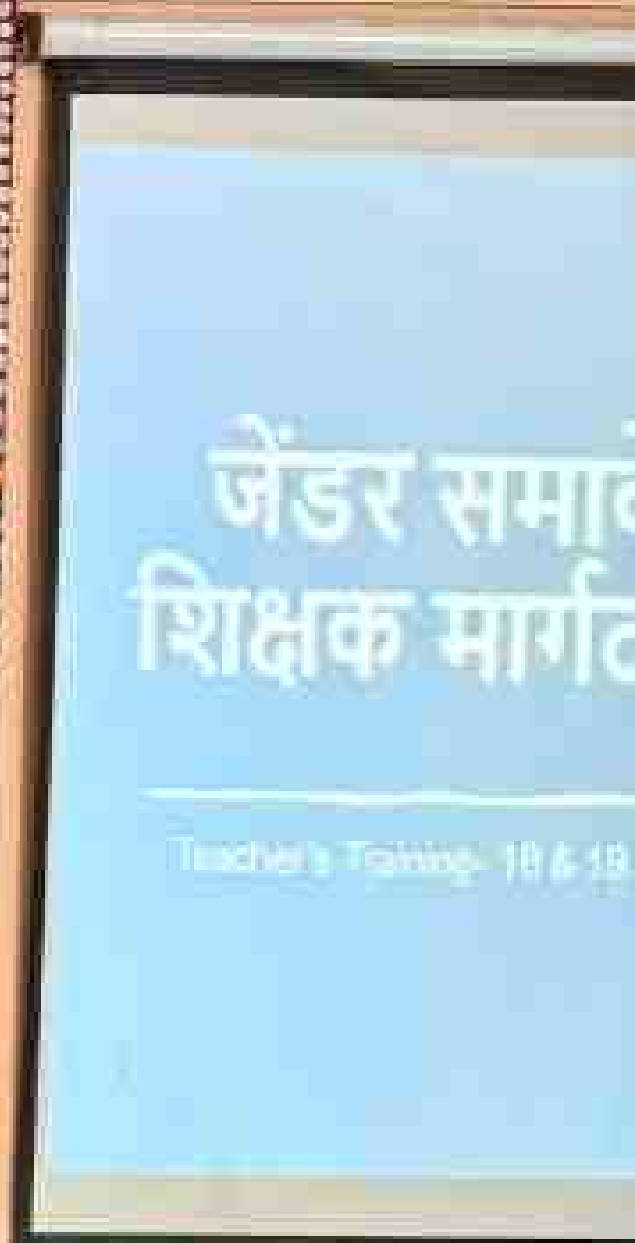
प्रशिक्षण में जेंडर इक्विटी क्लब की अवधारणा, आवश्यकता, गठन, क्लब की गतिविधियों एवं विद्यालय स्तर पर इसके प्रभावी संचालन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ जेंडर इक्विटी क्लब की प्रासंगिकता एवं इसके उद्देश्यों के संबंध पर भी चर्चा की गई।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने समूह गतिविधियों, चर्चा,

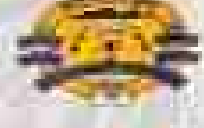
प्रस्तुतीकरण एवं विभिन्न अध्यासों के माध्यम से जेंडर संबंधी अवधारणाओं को समझा तथा विद्यालय स्तर पर जेंडर इक्विटी क्लब के माध्यम से किए जा सकने वाले नवाचारी प्रयासों की रूपरेखा तैयार की। कार्यक्रम के अंत में प्रत्येक प्रतिभागी विद्यालय को एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड द्वारा विकसित जेंडर शिक्षक मार्गदर्शिकाख्र समतापथ उपलब्ध कराई गई, ताकि शिक्षक इस सामग्री का उपयोग विद्यालयों में जेंडर संवेदनशीलता एवं लैंगिक समानता से संबंधित गतिविधियों के प्रभावी संचालन में कर सकें। यह प्रशिक्षण विद्यालयों में ऐसा वातावरण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा, जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर, सम्मान, सुरक्षा एवं अपनी क्षमताओं के विकास का समान अधिकार प्राप्त हो। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य हेमू बिष्ट, अरविंद चौहान, रिचा उनियाल मौजूद रहे।









Fostering Gender Equality and Inclusivity

through Life Skill Workshop

दिनांक : 18 व 19 अगस्त 2026



जागरूकता
 लैंगिक भेद
 की पहचान



सहयोग
 सहयोग, सहयोग
 समान अवसर



समानता
 समान अधिकार,
 समान भागीदारी



सुरक्षित वातावरण
 सुरक्षा, गरिमा और



समावेशी
 विविधता में एकता,
 सबकी भागीदारी



लैंगिक समानता
 सशक्त समाज की नींव

आयोजक: जिला एवं प्रशिक्षण संस्थान, जिला, उत्तरकाशी (खण्ड)

